

ॐ डांक्रों क्री क्री सा हा ॥ त्रखाकायदृदनि ॥ ॥ प्रवा
 सवदिशायतिन्ना ॥ मनिशकडाकायदृदामुलिका
 प्रद ॥ ॥ काशिचायाकडाकायदृदामुलिकायदृद ॥
 चकटातिशकडाकायदृद ॥ १० ॥ गोखचायाकडा
 कायदृदिशरु ॥ ॥ नलयादीवकायागृध्रानाच



ॐ व कं व्या न स। हि न या डा व पू षा हा बी मा न स र्दं डा व स्ता न व धा पू ष
वृ षि या हा ढ व दू रि का य या हाः ना ना गी न र न्द्र आ दि गा यी कं
व्या स म स्तं नै य रु पाः द्य स ध स वि द्य रा थ्य धा त्र वा ज्ज न क पु का ल त
ना व गी न वा द्य र्दं दा व न स म स्तं थो य न या ॥ ग म प स य ग द स्य ग व्

आ य न वा ग्ग लि हि ना ग्ग म र्का

॥ वना ॥ नमस्तुते नमः ॥ त्रिकाशाय धि सद्व्यत ॥ त्रयनराय ॥
 टा ॥ ४८ ॥ अस्तु यस्तु ॥ ५० ॥ केववाय ॥ ५१ ॥ अस्तु यस्तु ॥ ५२ ॥
 नूयानि ॥ ५३ ॥ अस्तु यस्तु ॥ ५४ ॥ अस्तु यस्तु ॥ ५५ ॥
 म४ स्त्राह ॥ ५६ ॥ कां कृष्णाय विमा वनाय सुनादये नमः ॥ ५७ ॥
 अस्तु यस्तु ॥ ५८ ॥ अस्तु यस्तु ॥ ५९ ॥ अस्तु यस्तु ॥ ६० ॥
 मस्तु यस्तु ॥ ६१ ॥ अस्तु यस्तु ॥ ६२ ॥ अस्तु यस्तु ॥ ६३ ॥

सहित

अवयव ॥ ६४ ॥ अस्तु यस्तु ॥ ६५ ॥ अस्तु यस्तु ॥ ६६ ॥
 मस्तु यस्तु ॥ ६७ ॥ अस्तु यस्तु ॥ ६८ ॥ अस्तु यस्तु ॥ ६९ ॥
 दस्तु यस्तु ॥ ७० ॥ अस्तु यस्तु ॥ ७१ ॥ अस्तु यस्तु ॥ ७२ ॥
 वस्तु यस्तु ॥ ७३ ॥ अस्तु यस्तु ॥ ७४ ॥ अस्तु यस्तु ॥ ७५ ॥
 लं ॥ ७६ ॥ अस्तु यस्तु ॥ ७७ ॥ अस्तु यस्तु ॥ ७८ ॥
 वस्तु यस्तु ॥ ७९ ॥ अस्तु यस्तु ॥ ८० ॥ अस्तु यस्तु ॥ ८१ ॥

ॐ नमः ॥ ॐ क। ॥ ४८ नमो नायाय ॥ ४८ नमः ॥ ॐ क। ॥ ४८ न
मो नायाय च न नाक न वृष्य नमः ॥ धूर्य २ दीर्य २ ॥ ॐ दं नै व ॥ ४८ नमः ॥
जाय ॥ ॐ क। ॥ १० ॥ ॐ दं नै व ॥ ४८ नमः ॥ ॥ निव यूजा ॥ ॐ दृष्या
सनाय नमः ॥ ॐ ह। ॥ सदा निवाय नमः ॥ ३ ॥ ॐ सदा निवाय च न नाक
त वृष्य नमः ॥ धूर्य २ दीर्य २ ॥ ॐ दं नै व ॥ ४८ नमः ॥ जाय ॥ ॐ क। ॥ १० ॥
ॐ दं नै व ॥ ४८ नमः ॥ ॥ मरुत य यूजा ॥ यन्मासनाय नमः ॥ ॐ

ॐ मः ॥ मरुत य यूजाय नमः ॥ ३ ॥ ॐ सदा निवाय च न नाक त वृष्य नमः ॥
धूर्य २ दीर्य २ ॥ ॐ दं नै व ॥ ४८ नमः ॥ ॥ मरुत य यूजा ॥ ॐ क। ॥ १० ॥ ॥ मरुत
य यूजा ॥ ॐ क। ॥ १० ॥ ॐ दं नै व ॥ ४८ नमः ॥ ॥ मरुत य यूजा ॥ ॐ क। ॥ १० ॥
य च न नाक त वृष्य नमः ॥ धूर्य २ दीर्य २ ॥ ॐ दं नै व ॥ ४८ नमः ॥ जाय ॥ ॐ क। ॥
ॐ मरुत य यूजा ॥ ॐ क। ॥ १० ॥ ॐ दं नै व ॥ ४८ नमः ॥ ॥ मरुत य यूजा ॥ ॐ क। ॥ १० ॥
॥ मरुत य यूजा ॥ ॐ क। ॥ १० ॥ ॐ दं नै व ॥ ४८ नमः ॥ ॥ मरुत य यूजा ॥ ॐ क। ॥ १० ॥

ॐ नमः श्रीगुरुगलनय ॥ अथनित्यकर्मविधिरित्युक्त ॥

क्रायाडवाकालसददाङ्गनिनससहस्रदलकमलेश्रीगुरुसप्तवयाय ॥ ॥ वि
लेनयम्या ॥ ३ ॐ गं सिद्धिविनायकश्रीयादुका ॥ ॐ श्रीसिद्धिलक्ष्मीगुरुगु
फश्रीदवीयादुका ॥ शतहाथडाङ्गलर्यनमस्कृतयाय ॥ अचमनक्षु
महामायशुभनीशुहामिस्वाहा ॥ ३ ॥ लेखनहायगिनस ॥ ॐ भूयविगयवि

गावासर्वावस्तीगतायिवा ॥ शस्यलुत्रीकार्यासवाक्षार्यतत्रधुविश ॥
रैमिसलेखनगुदडा ॥ वायसायात ॥ धरुमिसत्रु ~~वृत्ति~~ लोकविष्णुलोक
नृलोकधकशालय ॥ गुरुनमस्कृतयाय ॥ जेभूखलुमलुलाकार्वायार्थ
नयवायनी ॥ तसदीदविर्नयन ॥ गसेहीगुनवनमः ॥ ॐ गुरुर्वागुनर्वि
युगुनर्वामरुगुनडागुनवनकजगसर्वतसेहीगुनवनमः ॥ ॥

ॐ यत्र मनुत्रुखानमः॥ यत्र मन्त्रे मनुत्रुखानमः॥ यत्र माचार्य मनुत्रुखानमः॥
 सेयद्वासनाजनमः॥ कूर्मासनायनमः॥ जिकिहिरविष्णुकाकेलुगयद्रु॥
 क्रायरुद्र॥ जेवलमकूलकूलमत्रलकीद्रुद्रुखाहा॥ ॥ दलयालाहा
 तननिनसथिस्यधान॥ जे मूर्त्तीकोईसः॥ यत्र मनिवस्यवान् ॐ ह
 यावाजीव ॐ हस्तिनवाधानस्यद्रुद्रुगलकजिद्राद्यावापाना ॐ हाग
 यस्सुखीचिनीतिहनुखाहा॥ हाजालयी ॐ मनुत्रुखानमः॥ दलयास ॥

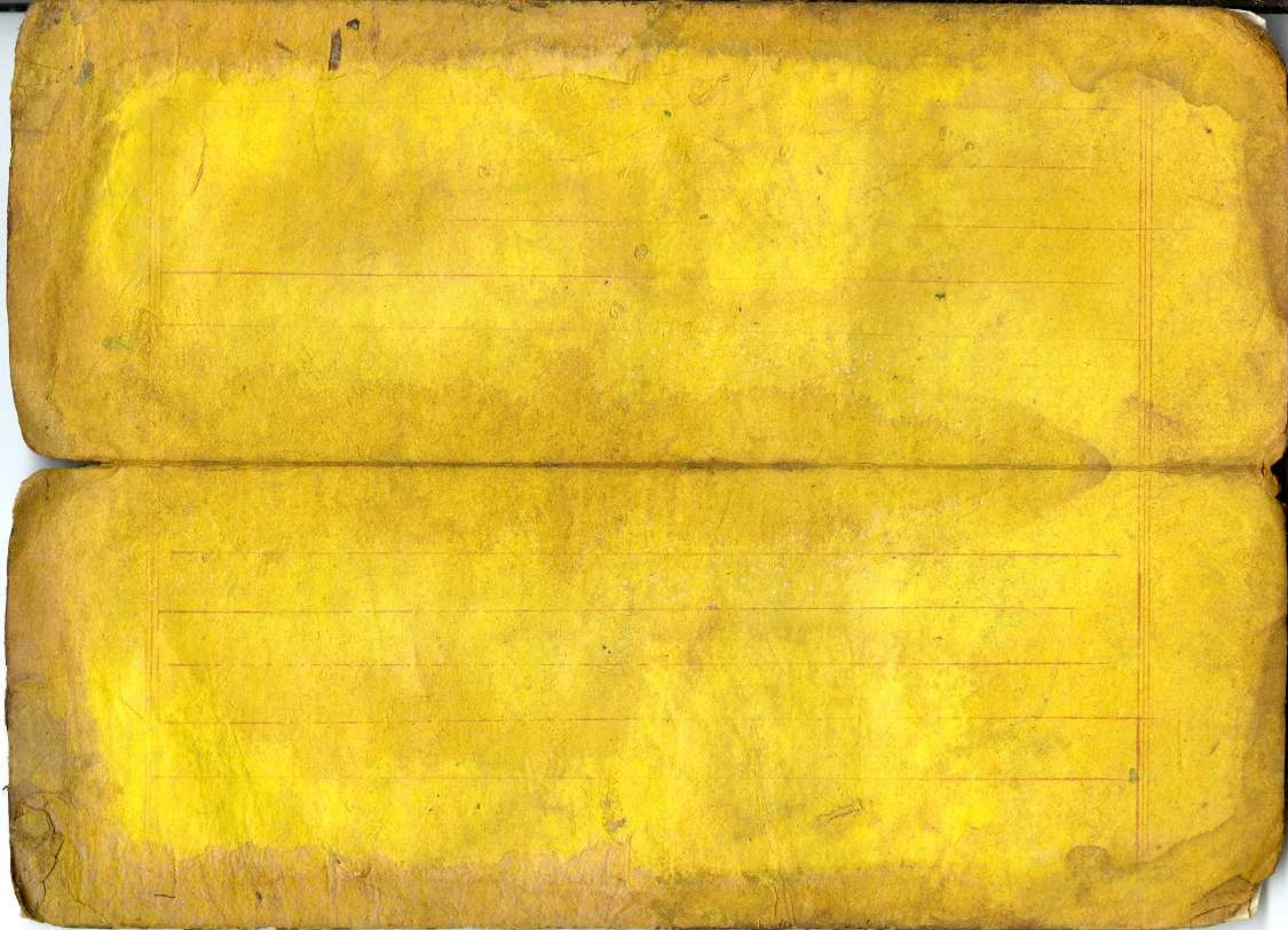
श्वानः

गद्ययतयनमः॥ जउस ॥ कां कुरुयालायनमः॥ यथस ॥ ॥ पुष्पः
 याम ॥ ३॥ त्रजधवकचोकरुद्रवाययत्रुसमइलकालये ॥ यउरस
 इउरगुलिहसनयलागालये ॥ लउकूलगरीनद्रुलागालये मूलाधान
 मचाइककुलिनीसुषुमानाजीलथतयहाउयने निनसमद्रुसुदलकैल
 मणीउत्रुयासप्रवयाय ॥ ॐ कावेकैवगलपुष्ट ॥ धनै ॥ हाजालयी मद्रुसुननु
 र्द्रुआयद्रुजाननद्रुवसासर्वदिनैर्दिनुजं धनै ॥ सुकालकावरुथिरीवनार
 ३यास ॥ ३॥ मययद्रु ॥

यकत्रैश्वर्यं न कृणुष्व न्यूनं स न ॥ यूजामनर्न ॥ ॐ ह्रीं हुं नमः ॥ यनं
ग ॥ आवाह ॥ व नारु यम द्वा द श य ॥ जाये ॥ ह्रीं हुं ॥ स्वाहा ॥ १० ॥ ॐ द्वा द श
नृ हा हा स्वाहा ॥ व द्वा द श य ॥ सर्व यम द्वा द श ॥ व द्वा द श नमः ॥ सर्व ज्ञानम
यस्मा क्कारु स्मै श्री गुन व नमः ॥ यत्नमः ॥ ॥ अथ गुन कियूज ॥ न्यास क्रायाया
(थी) ॥ ध्यान क्रायाया (थी) ॥ यूजामनर्न ॥ ॐ सह (सो) गुन क य नमः ॥ ३ ॥
यनं ग ॥ आवाह ॥ व नारु यम द्वा द श य ॥ जाये ॥ ह्रीं हुं स्वाहा ॥ १० ॥ ॐ द्वा द श
हा हा स्वाहा ॥ स्वाहा ॥ व सा आ व न मा हा कि ई शि वै श्री श्री व न्य नू चि नि ॥ जे ग द

धनमस्तु मेनसिद्धियुक्तु ॥ यत्नमः ॥ ॥ ॥





वकासल या रव के ६ व स म साल क न या व क पूरा सो या न म कूल न या म
गो मा वी या हो न ५ सो य गो दा स क्क वाल क या ग न क अ म दा म हा क ल स
वि म से के र कि या ठा न : न ना य ल स म न क न य न म ३ ३ मि र्म ५ ला मा थ
नी ये म : १ ५ से के र की या ठा :

५

नमो हर्ष शकशाका प्रद ३ ॥ विल वासद लशकशा
का प्रद ॥ १ ॥ दधुग वरु मिशला नि माकु वालिका प्रद
शा १ ॥ ग्वल पाप्रावा प्राक रुमि व सावा लिका प्रद ॥
१ ॥ मातावा व प्राक शाज मि व सावा लिका प्रद ॥
लिवा को पान ॥ ॥ हवा साति ताशा प्राक शाका प्रद ॥

ASHA ARCHIVES

शाशा प्रद ॥

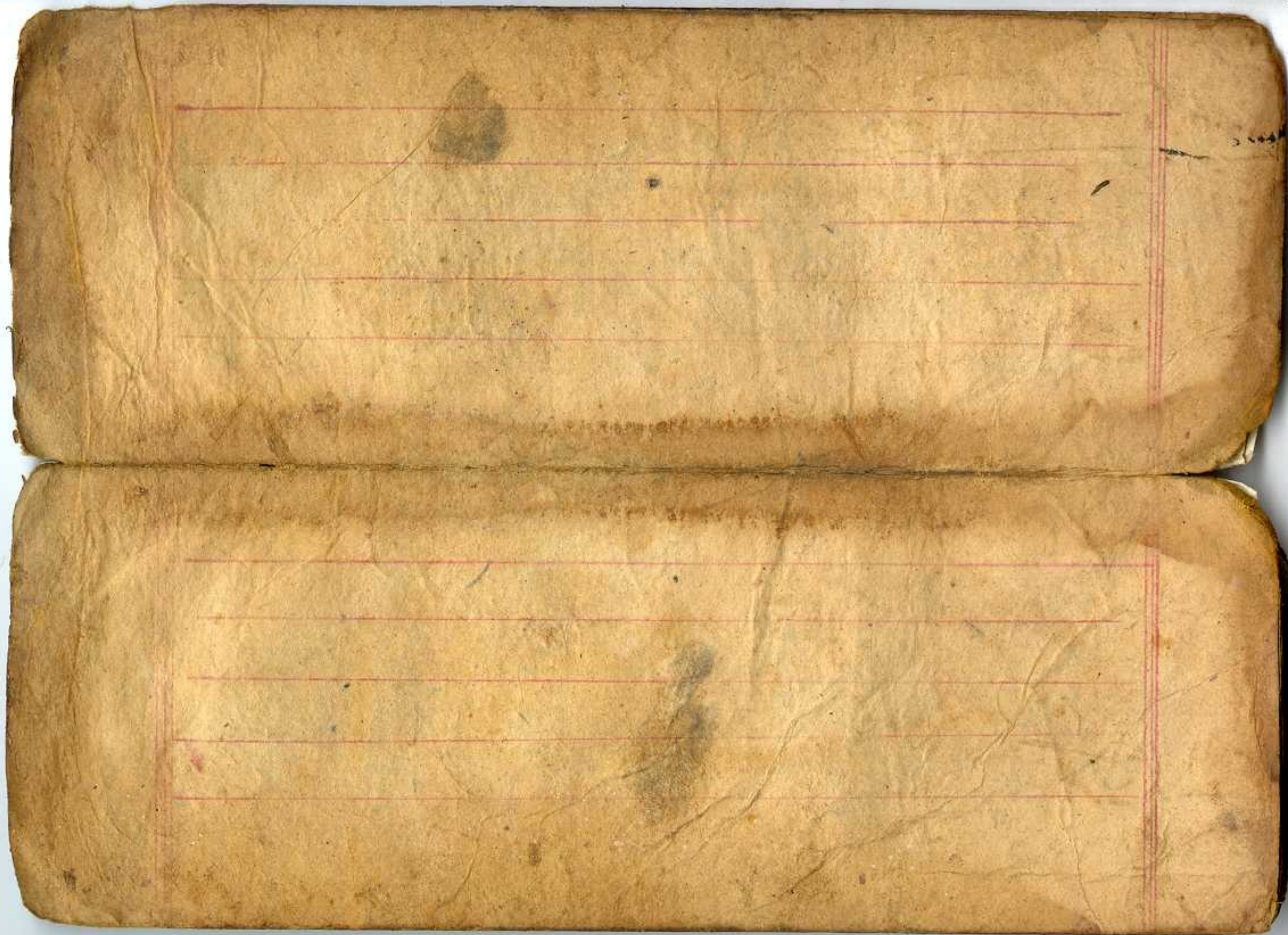
ASHA ARCHIVES

1.274

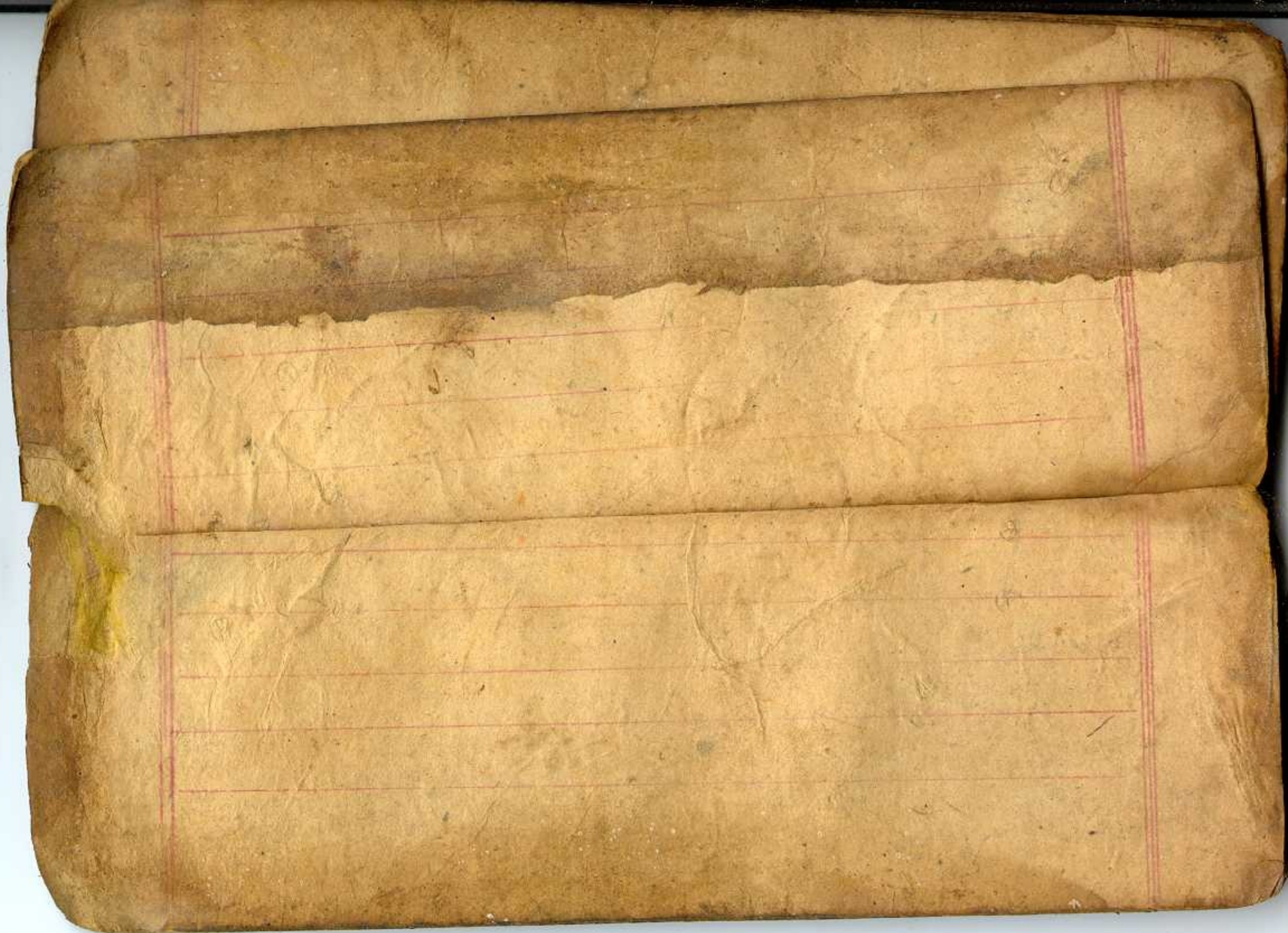
स्वस्ति श्री गणेशाय नमः ॥ श्री लक्ष्मी संदवा लिप्यते ॥ यतो सत्यं
ततो लक्ष्मीपतौर्जपः ॥ पतौ हरितीतो धर्मघर्तो धर्मततो भयः ॥
पसो भयका ह्यसत्यं भयाका हावमा लक्ष्मीवासगर्हि ॥ सां कृष्ण
वासगर्हि जा सां धर्मता सा जयसौ लः ॥ धर्म उवाच ॥ धर्मलेक्ष्मी विधि
तिगम्याः लेख्ये विधि मौ सर्वे अनुष्ठेते सेवा पुजागर्हि नरा सर्वो विद

इति वसुवचं शान्ताया नगुरुप्रवातिकाप्रदुषावां
सञ्चालवाञ्चाया कक्षा ६ ॥ का विभीनं शान्ताय न
गुरुप्रखवृषाया नीकार्यदुष्का मरु

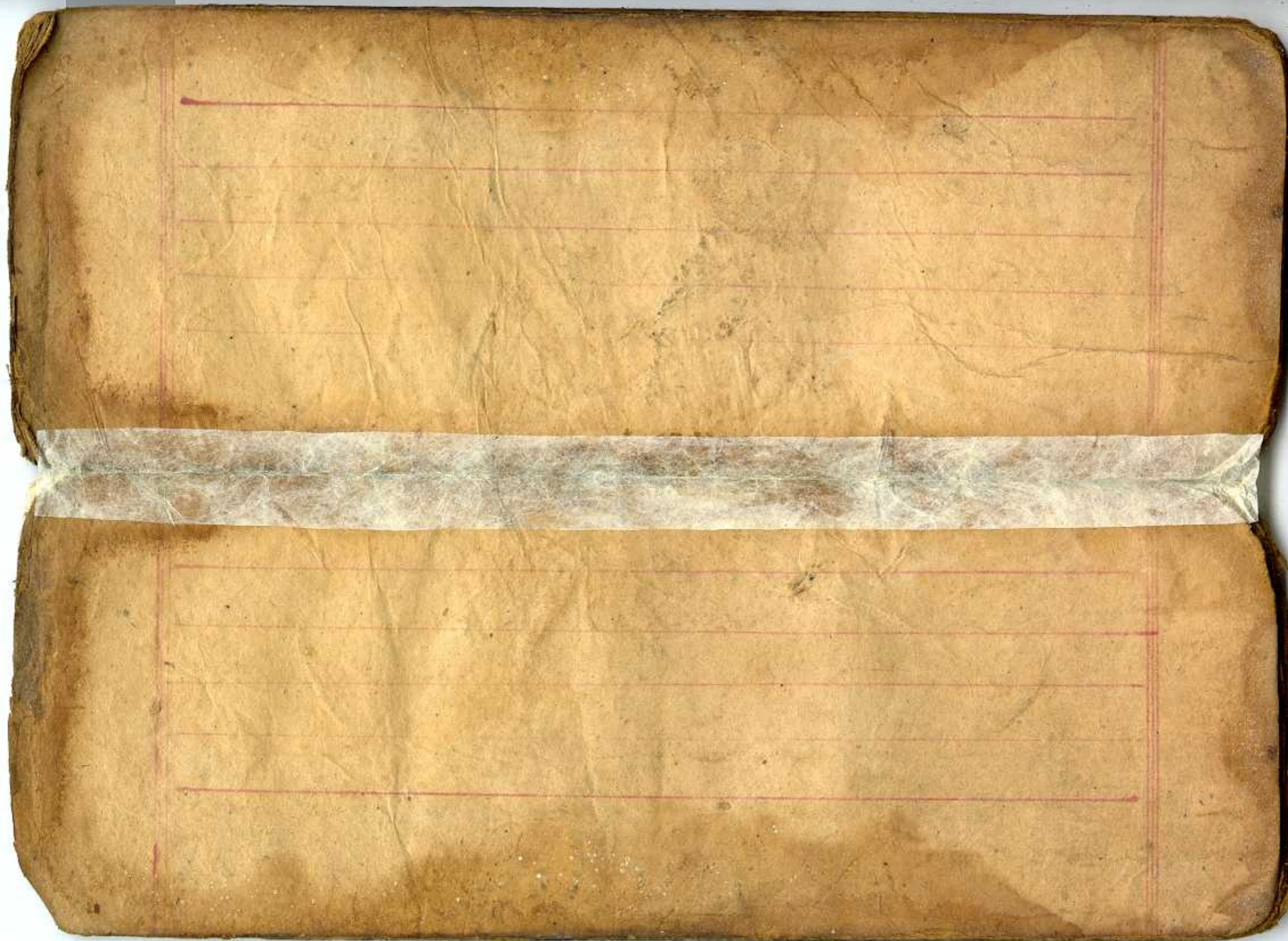
श्री गणेश











नमस्तु नृवर्णने नृवर्णी कुडुर्णी ॥ अमात्रका विनगा सुन रुजन
मितामरुमागंगममी विष्ठा ली चानून ता यथ तन उच्यते
मखलान्त (अमरा) दिव्यांगवस्तु (अमरा) वनतत्र सुमावर्चन
कं गरा नासा मयी कुक्कि कारणा विनगुतनसा ह्योन दिव्यो
प्राद्यो ॥ सर्वत्र यथा दत्त विध्य नू यामहा ल्वना यत्र यथा सना
ये (अमरा) हिता ॥ नृद स्येव गरा सन द्युदधती म (अमरा) ललाट

मय
कान्तिमनूयु (अमरा) विनगि न स्या तन्व नी सर्वतथ एखासो
जय नाह दिति विवाद्या (अमरा) सदा रुहि ता चिन्त्यान् ४ सहसा
यदं सिद्धि न द्ये अतिमयी वा द्ययी ॥ लम सिय नमका ति सि
द्विलक्ष्मी लमव लमिय नमय वि उग्र च लित्व मव ॥ लम सिय
नमत्रा र्क गार्क गार्क ज्यनी ल्व । सकन नहि न स र्क

गुरुपादौख कुलवाता हावायातय २
रुखाहा ॥३॥ ने सर्वज्ञाताय हृदयाय यादुकां ॥ ॥ ने कोशी
कुक्षीं श्रीं कुक्षीं कुक्षीं ॥ विनाचम्या ॥ धनमनुलेथ
य ॥ ॥ कुक्षीं कुल माहं तु महारि नवाय गुरुं नमः ॥ काकु
लामाहं तु महारि नवाय चन्दनाक्षतयुग्मं नमः ॥ ॥ ने कुक्षीं
नवाय ॥ ॥ ने नमो नवाय ॥ निम्नाल्य वलिनाया च य

समाश्रित्य ॥ ॥ ने निम्नाल्य नाथाय स्वः ॥ किं सहिताय नमः ॥
निम्नाल्य ॥ ॥ गुरुं स्वाहा ॥ निम्नाल्य ॥ स्त्रीनाथं स्वाहा ॥ ॥
निम्नाल्य नाथाय स्वः ॥ किं सहिताय चन्दनाक्षतयुग्मं नमः
मः ॥ ॥ श्रीं सुश्रिय नमः ॥ ॥ ॥ निम्नाल्य कर्मविधिः ॥ समाप्तः ॥ ॥ ॥ ॥

१ अथ कारुवीर्यवृजः ॥ ॥ चित्तव्रतनाचमनं ॥ ३ नमस्तुतयास्तुतया ॥
॥ ३ ॥ दक्षप्रयमवयनमः ॥ सितप्रसाधय ॥ गायत्रीवृन्दनमः ॥ मुखे ॥
॥ श्री कारुवीर्यार्द्रि नदवगाथेनमः ॥ हृदि ॥ ॐ सरुसुवाहव नृसुहृद
४ ॥ दक्षप्रययियतमाय नृ नृसुहृद नमः ॥ माहिष्मतीनाथय
नृ नृनमः ॥ नवाजनकीर्णकायम ध्रुमायनमः ॥ हेरुयाधि
य नृनामिकायनमः ॥ नाज नृवृणमनयकनिकिकायनमः ॥

ॐ सरुसुवाहव कनतवृष्टा नमः ॥ ॐ दक्षप्रययियतमाय हृदया
यनमः ॥ माहिष्मतीनाथय नृनमः ॥ नवाजनकीर्णकाय नृ
स्वाय २ ॥ हेरुयाधियतय कवचाय २ ॥ नाज नृवृणमनयनय
य २ ॥ सरुसुवाहव नृसुहृद ॥ ॥ ॐ नमः कारुवीर्यार्द्रि नायद्रु
ट सुहृद ॥ ३ ॥ वर्यागलि ॥ वरु ॥ नृवाङ्म ॥ धनू मूढा ॥ श्री कारुवी
र्यार्द्रि नाय ० ० दधुर्व नमः ॥ श्री कारु ० ० ० दधुर्व २ ॥ ० ० दधुर्व

[illegible]

नमोऽस्तुते ॥ ॥ सा पां त्र गौ व नि अ गू व कि पु मूल व वा
लि २ ॥ चूं ढ वृथा डा ल मूलि डा श्री १० ॥ अ ग द्रा पा
क डा क म द र व र डा र व र न ॥ ॥ धन वि प्रा क रा का का प
द १० ॥ धन ल व डा पा क डा का प द १६ ॥ अ गि मा पा का
स पा रा कि ६ ॥ दू मि र व त पा डा त मा मि या क डा कि का प द